पवन हंस ई-पत्रिका

हंसध्वनि

हिंदी दिवस विशेषांक

(14.09.2022 से 28.09.2022)

मैं वह भाषा हूँ, जिसमें तुम गाते हंसते हो। मैं वह भाषा हूँ, जिसमें तुम अपने सुख-दुख रचते हो।

****जय हिंदी, जय भारत, जय पवन हंस****

हमारी दृष्टि:

"यात्रियों को विश्व श्रेणी की संरक्षित, सुरक्षित, संधारणीय, वहनीय विमानन सेवाओं के अवसर प्रदान करना"

हमारा ध्येय:

"हेलीकॉप्टर तथा सी-प्लेन सेवाओं में बाजार के नेतृत्व की प्राप्ति, फिक्स्ड विंग्स वाले छोटे विमानों से क्षेत्रीय वायु सम्पर्कता उपलब्ध करवाना तथा अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप मरम्मत एवं ओवरहॉल की सेवाएं उपलब्ध करवाना।"

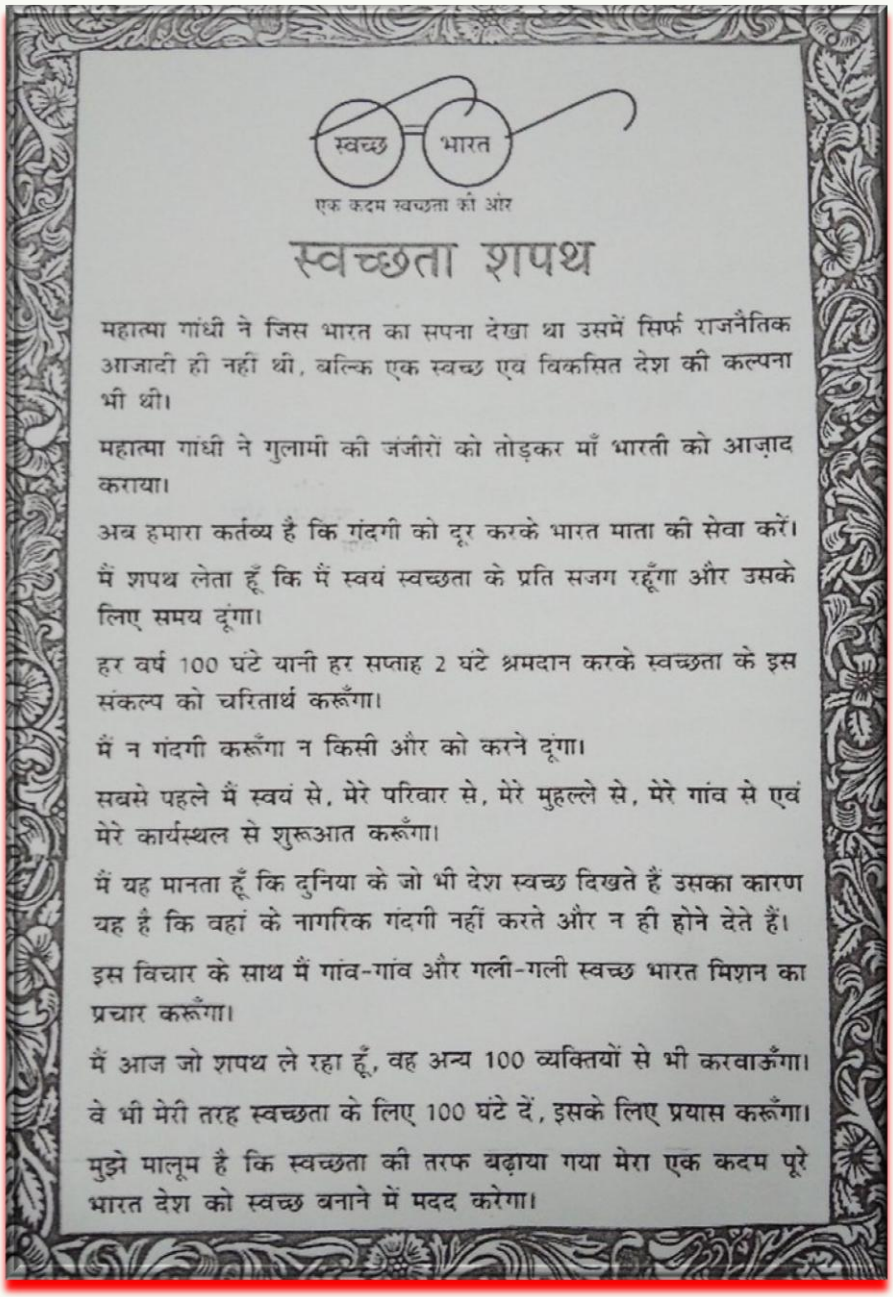

स्वच्छ भारत

एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वच्छता शपथ

महात्मा गांधी ने जिस भारत का सपना देखा था उसमें सिर्फ राजनैतिक आजादी ही नहीं थी, बल्कि एक स्वच्छ एवं विकसित देश की कल्पना भी थी।

महात्मा गांधी ने गुलामी की जंजीरों को तोड़कर माँ भारती को आज़ाद कराया।

अब हमारा कर्तव्य है कि गंदगी को दूर करके भारत माता की सेवा करें।

मैं शपथ लेता हूँ कि मैं स्वयं स्वच्छता के प्रति सजग रहूँगा और उसके लिए समय दूंगा।

हर वर्ष 100 घंटे यानी हर सप्ताह 2 घंटे श्रमदान करके स्वच्छता के इस संकल्प को चरितार्थ करूँगा।

मैं न गंदगी करूँगा न किसी और को करने दूंगा।

सबसे पहले मैं स्वयं से, मेरे परिवार से, मेरे मुहल्ले से, मेरे गांव से एवं मेरे कार्यस्थल से शुरूआत करूँगा।

मैं यह मानता हूँ कि दुनिया के जो भी देश स्वच्छ दिखते हैं उसका कारण यह है कि वहां के नागरिक गंदगी नहीं करते और न ही होने देते हैं।

इस विचार के साथ मैं गांव-गांव और गली-गली स्वच्छ भारत मिशन का प्रचार करूँगा।

मैं आज जो शपथ ले रहा हूँ, वह अन्य 100 व्यक्तियों से भी करवाऊँगा।

वे भी मेरी तरह स्वच्छता के लिए 100 घंटे दें, इसके लिए प्रयास करूँगा।

मुझे मालूम है कि स्वच्छता की तरफ बढ़ाया गया मेरा एक कदम पूरे भारत देश को स्वच्छ बनाने में मदद करेगा।

हंसध्वनि
हिंदी विशेषांक

अनुक्रमणिका

संरक्षक	क्र.सं.	विषय	पृष्ठ सं.
	1.	वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार, नागर विमानन मंत्रालय का संदेश	04
श्री संजीव राजदान	2.	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश	05
अध्यक्ष एवं प्रबंधक निदेशक	3.	सहायक निदेशक एवं राजभाषा प्रभारी, नागर वि. मंत्रालय का संदेश	06
	4.	कार्यपालक निदेशक का संदेश	07
परामर्शदाता	5.	स्थानापन्न विभागाध्यक्ष (मासं एवं प्रशा) की कलम से...	08
एयर कमोडोर टी ए दयासागर	6.	राजभाषा अधिनियम की1963 की धारा 3(3)	09
पूर्णकालिक निदेशक	7.	हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित प्रतियोगिता की झलकियां	10-12
	8.	नागर विमानन मंत्रालय की हिंदी-अंग्रेजी शब्दावली	13
संपादक	9.	जन-जन की भाषा बनती हिंदी	14-15
सुश्री रीना गुप्ता	10.	हर घर तिरंगा अभियान	16
स्था. विभागाध्यक्ष (मासं एवं प्रशा)	11.	पवन हंस लिमिटेड 37वां स्थापना दिवस समारोह	17
उप-संपादक	12.	सुर्य नमस्कार	18
	13.	भुलाए न भूलेगी मेरी पहली हवाई यात्रा	19-20
	14.	पवन हंस लिमिटेड में गर्ल्स इन एविएशन डे, मण्डी, हिमाचल प्रदेश	21
	15.	भारत में प्रथम महिला	22
	16.	रामपूर हेलीपोर्ट का नया टर्मिनल भवन	23
श्री गणेश बर्मन	17.	कविता कोश	24
अनुभाग अधिकारी (राजभाषा)		आजादी का दिन आया	
		मॉ	
निष्पादक	18.	हंसी मज़ाक वाले चुटकुले	25
	19.	आरसीएस फ्लाईट चार्ट, उत्तराखंड	26
सुश्री रेखा रानी, हिंदी अनुवादक-II			

हिंदुस्तान की आम भाषा अंग्रेजी नहीं, हिंदी है।

******महात्मा गांधी जी******

पीयूष श्रीवास्तव, भा.आ.से.
PIYUSH SRIVASTAVA, IES

वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार
नागर विमानन् मंत्रालय
भारत सरकार
SENIOR ECONOMIC ADVISER
MINISTRY OF CIVIL AVIATION
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

पवन हंस लिमिटेड द्वारा, 'हंसध्वनि' के नए अंक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाई। हिन्दी दिवस विशेषांक के रूप में प्रकाशित ई-पत्रिका, 'हंसध्वनि' का यह अंक, निःसंदेह नया सवेरा लेकर आया है। पत्रिका संदेश दे रही है कि आजादी के अमृतकाल में, हम भारतीय, गुलामी की मानसिकता को छोड़कर आत्म-सम्मान, आत्म-गौरव और राष्ट्र प्रेम से ओत-प्रोत होकर नए और विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने की ओर दृढता से आगे बढ़ रहे हैं।

यह पत्रिका, ज्ञानवर्धक सामग्री और मार्मिक कविताओं का, सुरुचिपूर्ण संकलन है। जन-सेवा के साथ-साथ, राजभाषा के प्रचार-प्रसार के लिए कृत संकल्प, पवन हंस लिमिटेड के समस्त कार्मिकों को, उनके इस सराहनीय प्रयास के लिए साधुवाद।

शुभकामनाओं सहित।

पीयूष श्रीवास्तव

(पीयूष श्रीवास्तव)

Rajiv Gandhi Bhavan, Safdarjung Aircort, New Delhi-110 003
Telefax : +91-11-24629322, E-mail : sradv-moca@gov.in

हिंदी राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है।

******डॉ. संपूर्णानंद******

श्री संजीव राजदान
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
पवन हंस लिमिटेड

संदेश

सभी पवन हंस कर्मियों को हिन्दी दिवस की शुभकामनाएं ।

आज पूरा विश्व हिंदी भाषा की अभिव्यक्ति को पहचान रहा है। भाषा अभिव्यक्ति का साधन होती है। भाषा एक अभिव्यक्ति का माध्यम होती है। हमारी भावनाओं को जब शब्द-देह मिलता है, तो हमारी भावनाएं चिरंजीवी बन जाती हैं। और इसलिए भाषा उस शब्द देह का आधार होती है। उस शब्द विश्व की जितनी हम अराधना करें उतनी कम है।
हिंदी दिवस के अवसर पर 14 सितम्बर, 1949 के उस ऐतिहासिक दिन की याद आना स्वाभाविक है, जब देश के विशाल जनसमूह में हिंदी भाषा के प्रयोग एवं इस भाषा की संपन्नता को देखते हुए, हमारे संविधान-निर्माताओं ने हिंदी को संघ की राजभाषा बनाने का निर्णय लिया था। हिन्दी भारत की राष्ट्रीय एकता का आधार है व हमारी अखंडता का प्रतीक है। हमारा भारत देश भाषायी संस्कृति के लिए दुनिया भर में विख्यात है, भारत के साथ सबसे पहले जिस भाषा का नाम जुडता है, वह हिंदी है।

14 सितंबर, 2022 को मनाए जाने वाले हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में हम अपना समस्त सरकारी कामकाज राजभाषा हिन्दी में करेंगे, क्योंकि हिन्दी संपर्क स्थापित करने वाली वह कड़ी है जिसके माध्यम से पूरे देश तक अपनी बात पहुँचाई जा सकती है। सरकारी कामकाज में सहज सरल व आसानी से समझ में आने वाली हिन्दी का प्रयोग किए जाने से हिन्दी की स्थिति सुदृढ होगी क्योंकि धीरे-धीरे यह धारणा दृढ़ हो रही है कि एक से अधिक भाषाओं में अपनी बात कह सकने की क्षमता आज के समय की मांग है।

पवन हंस में हिन्दी पखवाड़े के दौरान एक प्रेरक वातावरण बनाने के लिए अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। आप सभी इसमें बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें और हिन्दी के प्रयोग को सूचना तकनीक से जोड़कर व्यावहारिक बनाने का प्रयास करें ।

मेरा पवन हंस के सभी अधिकारियों / कर्मचारियों से अनुरोध है कि वे अपने दैनिक कामकाज में हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करने का संकल्प लें; इसी क्रम में मेरा क्षेत्रीय प्रमुखों व विभागाध्यक्षो के साथ ही बेस प्रमुखों से विशेष अनुरोध है कि स्वयं हिन्दी में कार्य करें तथा अपने अधीनस्थ अधिकारियों / कर्मचारियों को हिन्दी में काम करने के लिए प्रेरित करें और हिन्दी पखवाड़े के आयोजन को सफल बनाने का प्रयास करें ।

शुभकामनाओं के साथ।

आपका,
संजीव राजदान
(संजीव राजदान)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

(संजीव राजदान)

हिंदी भारतीय संस्कृति की आत्मा है।
****** कमलापति त्रिपाठी******

राकेश कुमार
सहायक निदेशक और राजभाषा प्रभारी

भारत सरकार
नागर विमानन् मंत्रालय
नई दिल्ली - 110003
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CIVIL AVIATION
RAJIV GANDHI BHAWAN, SAFDARJUNG AIR PORT
NEW DELHI-110 003

संदेश

प्रसन्नता होती है जब सरकारी काम-काज हिन्दी में होता है। गृह पत्रिकाओं का प्रकाशन, ऐसा उत्कृष्ट प्रयास है जिसके माध्यम से कार्मिक, हिंदी में लेखन और पठन-पाठन के लिए प्रेरित होते हैं और उन्हें अपनी साहित्यिक प्रतिभा की अभिव्यक्ति के लिए उपयुक्त मंच उपलब्ध होता है। हिन्दी दिवस/हिन्दी पखवाड़े के शुभ अवसर पर, पवन हंस लिमिटेड द्वारा 'हंसध्वनि' का, हिन्दी दिवस विशेषांक के रूप में प्रकाशित किया जाना, सराहनीय है साथ ही इसे ई-पत्रिका के रूप में प्रकाशित किया जाना मितव्ययिता और पर्यावरण सुरक्षा का संदेश देता है। हिन्दी में जितना अधिक लेखन कार्य होगा, उतनी ही अधिक इसकी लोकप्रियता और सार्वभौमिकता बढ़ेगी।

कहा और माना जाता है कि किसी की भी प्रतिभा छिपी नहीं रह सकती और बात सही भी है। जिन प्रतिभावान कार्मिकों ने अपनी व्यस्ततम दिनचर्या में से समय निकाल कर, 'हंसध्वनि' के लिए रचनाएं लिखी हैं, मैं उन्हें अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं और उम्मीद करता हूं कि आने वाले समय में भी, वे इसी प्रकार अपनी रचनाओं को, प्रकाशन हेतु उपलब्ध करवाएंगे और अपने सहकर्मियों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे। इस ई- पत्रिका के प्रकाशन के लिए पवन हंस लिमिटेड को मेरी असीम शुभकामनाएं ।

(राकेश कुमार)

हिंदी भाषा एक ऐसी सार्वजनिक भाषा है, जिसे बिना भेदभाव प्रत्येक भारतीय ग्रहण कर सकता है।
******मदन मोहन मालवीय******

एयर कमोडोर टी ए दयासागर (सेवानिवृत्त)
तकनीकी एवं परिचालन
पवन हंस लिमिटेड

संदेश

मुझे यह जानकर बहुत प्रसन्नता हो रही है कि पवन हंस द्वारा हिन्दी पत्रिका 'हंसध्वनि' का प्रकाशन किया जा रहा है। पवन हंस संगठन की रचनात्मक पत्रिका के माध्यम से कर्मचारियों को अपनी रचनाओं के द्वारा अपनी प्रतिभा को उभारने और निखारने का अवसर मिलता है। 'हंसध्वनि' भी एक ऐसा माध्यम है, जिसके द्वारा कर्मचारी अपने अनुभव लिखकर दूसरों के सामने खुद को व्यक्त कर सकते हैं और समकालीन विषयों को अपने शब्दों में सामने ला सकते हैं, जो व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ पेशेवर ज्ञान को बढ़ा सकते हैं। यह पवन हंस की गतिविधियों को साझा करने में भी मदद करता है, जिसमें उपलब्धियों सहित कंपनी को अपनी नेतृत्व भूमिका को बनाए रखने में मदद करती है ।

पवन हंस के राजभाषा विभाग द्वारा हर वर्ष 'हंसध्वनि' प्रकाशित करना गर्व की बात है। इस पत्रिका के माध्यम से, हम पवन हंस के सभी कर्मियों को हिंदी में आधिकारिक कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं और भविष्य के वैश्विक लीडर भारत के लिए एक सम्पर्क भाषा के रूप में हिंदी का मार्ग प्रशस्त करते हैं । यह हम सभी भारतीयों का संवैधानिक दायित्व है कि वे केंद्र सरकार की राजभाषा नीति का प्रचार करें और अपने सहयोगियों को राजभाषा हिंदी में काम करने के लिए प्रोत्साहित करें । पवन हंस लिमिटेड, राजभाषा विभाग,गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्पित है और इस दिशा में पवन हंस ने कार्य को पूरा करने के लिए तेज गति से आगे बढ़ते हुए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु अथक प्रयास किया है। इसका मुख्य लक्ष्य, क्षेत्रीय भाषाओं और अंग्रेजी के साथ-साथ एक सम्पर्क भाषा के रूप में हिंदी का प्रचार और प्रसार करना है । 'हंसध्वनि' हिंदी प्रचार के राष्ट्रीय उद्देश्य की दिशा में पवन हंस द्वारा एक छोटा सा प्रयास है ।

हिंदी भाषा ने वास्तव में भारतीयों को जोड़ने में बहुत अच्छा काम किया है। आज, तकनीकी क्षेत्र, सूचना प्रौद्योगिकी, चिकित्सा और गैर-तकनीकी क्षेत्र सहित जीवन के सभी क्षेत्रों में हिन्दी का उपयोग किया जा रहा है। विमानन और मानव कल्याण से विषयों सहित सभी विषयों पर हिंदी में पुस्तकें भी लिखी जा रही हैं ।

मैं पवन हंस के प्रत्येक कर्मचारी से अपील करता हूं कि वह अपना सारा काम राजभाषा हिंदी में करें ताकि हम निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें और अपने संवैधानिक दायित्व को पूरा कर सकें। ई-पत्रिका 'हंसध्वनि' के प्रकाशन के अवसर पर, मैं समस्त पवन हंस परिवार को हार्दिक बधाई देता हूँ।

**** जय हिंद ****

(एयर कमोडोर टी ए दयासागर)

(एयर कमोडोर टी ए दयासागर)

मैं, उन लोगों में से हूँ जो चाहते हैं और जिनका विचार है कि हिंदी ही भारत की राष्ट्रभाषा हो सकती है
******लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक******

रीना गुप्ता, स्थानापन्न विभागाध्यक्ष
(मानव संसाधन एवं प्रशासन)
पवन हंस लिमिटेड

संदेश

पवन हंस की गृह पत्रिका हंसध्वनि का नवीन अंक आप सभी के समक्ष रखते हुए बहुत खुशी महसूस हो रही है, क्योंकि हिंदी पखवाड़ा के दौरान पत्रिका का प्रकाशन अपने आप में बड़े गर्व की बात है। इस पत्रिका के माध्यम से पवन हंस के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने उत्कृष्ट रचनाओं को प्रकाशित करने का अवसर प्राप्त होता है। साथ ही यह पत्रिका छिपी प्रतिभा को उजागर करने का एक सशक्त माध्यम भी है।

हमारा सदैव प्रयास रहा है कि पवन हंस के कार्मिक अधिकाधिक अपनी बेहतरीन मौलिक रचनाओं के माध्यम से हंसध्वनि से जुड़े ताकि इस मंच के माध्यम से उन्हें अपनी लेखन कौशल दिखाने का अवसर मिल सके।

इस अंक में शामिल राजभाषा प्रतिज्ञा, कविता कोश राजभाषा अधिनियम के प्रावधान पर प्रकाश डालते हुए, पाठको को यह बताना चाहता हूँ कि सभी विषय ज्ञानवर्धक एवं रोचक है और अवश्य पढ़े।

आशा करता हूँ कि यह अंक आप सभी प्रिय पाठको को पिछले अंको की तरह पसंद आएगा और हंसध्वनि पत्रिका को बेहतर बनाने हेतु, आपके सुझावों की अपेक्षा रहेगी।

हिंदी दिवस की शुभकामनाओं सहित।

(रीना गुप्ता)
स्थानापन्न विभागाध्यक्ष (मासं एवं प्रशा)

राष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी को काम में लाना देश की एकता और उन्नति के लिए आवश्यक है।

******महात्मा गांधी******

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

गृह मंत्रालय

राजभाषा विभाग

राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3)

राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत सभी कार्यालय आदेश, कार्यालय ज्ञापन, परिपत्र, अधिसूचनाएं, टेंडर, करार आदि द्विभाषी रूप में जारी किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त संसद के एक सदन या दोनों सदनों में प्रस्तुत किए जाने वाले सरकारी कागज-पत्र, संसद के एक सदन में या दोनों में पस्तुत की जाने वाली प्रशासनिक और अन्य रिपोर्ट, अपने से उच्चतर कार्यालयों को भेजी जाने वाली प्रशासनिक या अन्य रिपोर्ट पूर्ण रूप से द्विभाषी रूप में प्रस्तुत की जाती हैं।

हिंदी ही भारत की राष्ट्रभाषा हो सकती है।

****** बी. कृष्णस्वामी अय्यर******

सरकार

भारत एक "प्रभुसत्ता सम्पन्न, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणतंत्र" सहित एक संसदीय प्रणाली की सरकार वाला देश है। इस खण्ड में पाठकों को भारत की सरकार, इसके उद्भव और देश में अपनाई जा रही सरकारी प्रक्रिया से परिचित कराया गया है। इसमें भारतीय सरकार में "कौन क्या है" और सरकार द्वारा प्रस्तावित नीतियों और योजनाओं की जानकारी भी ली जा सकती है।

संविधान

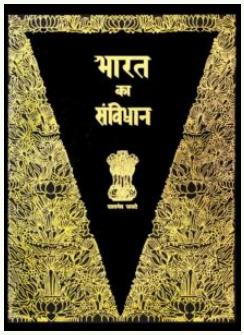

इण्डिया अर्थात् भारत राज्यों का एक संघ है। यह संसदीय प्रणाली की सरकार वाला एक स्वतंत्र प्रभुसत्ता सम्पन्न समाजवादी लोकतंत्रात्मक गणराज्य है। यह गणराज्य भारत के संविधान के अनुसार शासित है जिसे संविधान सभा द्वारा 26 नवम्बर 1949 को ग्रहण किया गया तथा जो 26 जनवरी 1950 को प्रवृत्त हुआ।

संविधान में सरकार के संसदीय स्वरूप की व्यवस्था की गई है जिसकी संरचना कतिपय एकात्मक विशिष्टताओं सहित संघीय हो। केन्द्रीय कार्यपालिका का सांविधानिक प्रमुख राष्ट्रपति है। भारत के संविधान की धारा 79 के अनुसार, केन्द्रीय संसद की परिषद में राष्ट्रपति तथा दो सदन है जिन्हें राज्यों की परिषद (राज्य सभा) तथा लोगों का सदन (लोक सभा) के नाम से जाना जाता है।

संविधान की धारा 74 (1) में यह व्यवस्था की गई है कि राष्ट्रपति की सहायता करने तथा उसे सलाह देने के लिए एक मंत्री परिषद होगी जिसका प्रमुख प्रधान मंत्री होगा, राष्ट्रपति सलाह के अनुसार अपने कार्यों का निष्पादन करेगा। इस प्रकार वास्तविक कार्यकारी शक्ति मंत्रिपरिषद में निहित है जिसका प्रमुख प्रधानमंत्री है।

सरकारी निर्देशिका

इस भाग में आप संघ, राज्य एवं केन्द्र शासित प्रदेशों के अंतर्गत सरकारी संस्थाओं, सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के संपर्क विवरणों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यहाँ विभिन्न मंत्रालयों, विभागों एवं संस्थाओं के टेलीफोन नंबर, ई-मेल, फैक्स नंबर एवं पत्राचार पता की जानकारी उपलब्ध है। आप यहाँ विभिन्न कोड जैसे- पिन कोड, एसटीडी कोड, स्टेशन कोड एवं ट्रेन संख्या इत्यादि की निर्देशिका भी देख सकते हैं। विभिन्न अदालतों, आयोगों, न्यायालयों एवं अधिकरणों के संपर्क विवरण भी यहाँ उपलब्ध है।

संसद

संसद भारत का सर्वोच्च विधायी निकाय है। भारतीय संसद में राष्ट्रपति तथा दो सदन - राज्य सभा (राज्यों की परिषद) एवं लोकसभा (लोगों का सदन) होते हैं। राष्ट्रपति के पास संसद के दोनों में से किसी भी सदन को बुलाने या स्थगित करने अथवा लोकसभा को भंग करने की शक्ति है। भारत का संविधान 26 जनवरी, 1950 को प्रवृत्त हुआ। नए संविधान के तहत प्रथम आम चुनाव वर्ष 1951-52 में आयोजित किए गए थे तथा प्रथम निर्वाचित संसद अप्रैल, 1952 में अस्तित्व में आई।

पवन हंस लिमिटेड में हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओ की झलकियां

पवन हंस कार्यालय में दिनांक 14.09.2022 से 28.09.2022 के मध्य हिंदी दिवस पखवाड़ा के दौरान, प्रधान कार्यालय, नोएडा, उत्तरी क्षेत्र, दिल्ली व पश्चिमी क्षेत्र कार्यालय, मुम्बई कार्यालयों में नोटिंग ड्राफ्टिंग, प्रश्न मंच, आलेख और यूनिकोड हिंदी टंकण टाइपिंग प्रतियोगिता आयोजित प्रतियोगिताओं की प्रतिछायां प्रस्तुत की जा रही हैं, साथ ही, प्रतियोगिताओं को ट्विटर पर भी अपलोड किया गया है।

हिंदी के द्वारा पूरे भारत को सूत्र में पिरोया जा सकता है। - स्वामी विवेकानंद

अंग्रेजी - हिंदी शब्दावली

1.	Corrigendum	शुद्धि पत्र
2.	Corruption	भ्रष्टाचार
3.	Cost	लागत
4.	Counter-signature	प्रति- हस्ताक्षर
5.	Covering letter	प्रावरण- पत्र /सह-पत्र
6.	Current	चालू/प्रचलित
7.	Daily allowance	दैनिक भत्ता
8.	Damages	क्षति/ हर्जाना
9.	Date stamp	तारीख मोहर
10.	Dearness allowance	मंहगाई-भत्ता
11.	Debar	रोकना/ वर्जन करना
12.	Debit	नामे/नामे डालना
13.	Decentralization	विकेन्द्रीकरण
14.	Decision	निर्णय
15.	Declare	घोषणा/घोषित करना
16.	Deduction	कटौती/घटाना
17.	Default	त्रुटि/चूक
18.	Deficit	घाटा/कमी
19.	Delegate	प्रतिनिधि
20.	Delegation of powers	शक्तियों का प्रत्यायोजन
21.	Delivery	परिदान।/वितरण
22.	Demand	मांग
23.	Demi-official	अर्ध-शासकीय
24.	Demote	पदावनत करना
25.	Demurrage	विलंब-शुल्क/डेमरेज
26.	Departmental	विभागीय
27.	Deposits	जमा निधियां
28.	Deputation	प्रतिनियुक्ति
29.	Deserving	योग्य/ सुपात्र
30.	Designation	पदनाम

हिंदी के द्वारा ही सारे भारत को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है ।

*** स्वामी दयानन्द ***

जन-जन की भाषा बनती हिंदी

भारत की राजभाषा हिंदी विश्व की प्राचीन, समृद्ध एवं सरल भाषा है, जो न सिर्फ भारत में, बल्कि आज दुनिया के अनेक देशामं में बोली जाती है। भारतीय आज अंग्रेजी बोलने में अपनी आन, बान और शान समझते हों, परंतु सह यही है कि हिंदी ऐसी भाषा है, जो हर भारतीय को वैश्विक स्तर पर सम्मान दिलाती है।

इंटरनेट पर भी हिंदी का चलन दिनों-दिन तेजी से बढ़ रहा है और दुनिया के सबसे बड़े सर्च इंजन गूगल द्वारा कुछ वर्षों पूर्व तक जहां अंग्रेजी सामग्री को ही महत्व दिया जाता थाअब गूगल द्वारा भारत में हिंदी तथा कुछ क्षेत्रीय भाषाओं की सामग्री को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। वर्ष 2021 में हिंदी में इंटरनेट उपयोग करने वालों की संख्या अंग्रेजी में इसका उपयोग करने वालों से ज्यादा हो जाएगी। गूगल का मानना है कि हिंदी में इंटरनेट पर सामग्री पढ़ने वाले प्रतिवर्ष 94 प्रतिशत बढ़ रहे हैं, जबकि अंग्रेजी में यह दर प्रत्येक वर्ष 17 प्रतिशत घटर रही है। गुगल के अनुसार 2023 में इंटरनेट पर 20.1 करोड़ लोग हिंदी का उपयोग करने लगेंगे।

अमरीका की *ग्लोबल लैंग्वेज़ मॉनीटर* नामक संस्था ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया था कि अंग्रेजी भाषा में हां करीब 10 लाख शब्द हैं, वहीं हिंदी में करीब 1 लाख 20 हजार शब्द हैं और इनकी संख्या लगातार बढ़ रही हैं। अंग्रेंजी में समय-समय पर कई भाषाओं के शब्दों को सम्मिलित किया जाता रहा है और हिंदी के भी सैकड़ों ऐसे शब्द हैं, जो हिंदी से निकलकर अंग्रेजी शब्दकोश का हिस्सा बन गए हैं।

हिंदी भाषा को समृद्ध बनाने के लिए ही प्रतिवर्ष 14 सतिंबर का दिन *हिंदी दिवस* के रूप में मनाया जाता है और अगले 15 दिनों तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया जाता है। **प्रतिवर्ष 14 सितंबर को ही हिंदी दिवस क्यों मनाया जाता है और इसे मनाए जाने की शुरूआत कब हुई?** भारत बहुत लंबे समय तक अंग्रेजों का गुलाम रहा और उस दौरान हमारे यहां की भाषाअें पर भी अंग्रेजी दासता का बहुत बुरा प्रभाव पड़ा। यही कारण रहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने हिंदी का *जनमानस की भाषा* बताते हुए वर्ष 1918 में आयोजित *हिंदी साहित्य सम्मेलन* में इसे भारत की राष्ट्रभाषा बनाने को कहा था। तभी से हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने के प्रयास शुरू हो गए थे। सभा की 12 से 14 सितंबर

तक चली तीन दिवसीय बहस में कुल 71 लोगों ने हिस्सा लिया था। लंबे विचार-विमर्श के बाद 14 सितंबर, 1949 को संविधान सभा ने एक मत से निर्णय लिया कि हिंदी ही भारत की राजभाषा होगी।

संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी होगी। संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग होने वाले अंकों का रूप अन्तर्राष्टीय रूप होगा। इस महत्वपूर्ण निर्णय के बाद हिंदी को हर क्षेत्र में प्रसाहित करने के लिए राष्ट्रभाषा प्रचार समिति वर्धा के अनुरोध में 1953 से देशभर में 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। प्रतिवर्ष हिंदी दिवस 14 सितंबर को ही मनाए जाने के लिए इसी दिन का चयन इसलिए किया गया, क्योंकि हिंदी को भारत की राजभाषा का दर्जा देने के लिए पहली बार 14 सितंबर, 1949 को ही संविधान सभा ने एक मत से निर्णय लिया था। इसलिए इस दिवस के आयोजन के लिए इसी तारीख को सर्वश्रेष्ठ माना गया था।

प्रतिवर्ष हिंदी दिवस, हिंदी पखवाड़ा मनाने का उद्देश्य यही है कि इसके माध्यम से लोगों को हिंदी भाषा के विास, हिंदी के उपयोग के लाभ तथा उपयोग ने करने पर हानि के बारे में समझाया जा सके। हिंदी सभी देशवासियों की राजभाषा है, जिसका सम्मान और प्रचार-प्रसार करना उनका कर्तव्य है। वास्तव में हिंदी जितनी रोचक, मधुर और प्यारी भाषा है शायद ही दुनिया में कोई और हो। भारत में सर्वाधिक बोली जाने वाली जनमानस और संपर्क की यह ऐसी भाषा है, जो राष्ट्रीय एकता और अखण्डता की भी प्रतीक है।

जो मानव अपनी निंदा सुना लेता है वह सारे जगत पर विजय प्राप्त कर लेता है।
पंडित मदन मोहन मालवीय जी

हर घर तिरंगा अभियान

15 अगस्त, 2022 को भारत की आजादी के 75 साल पूरे हो रहे हैं। स्वतंत्रता दिवस को लेकर चारों और उत्साह नजर आ रहा था। सरकार भी आजादी के 75 साल पूरे होने पर आजादी का अमृत महोत्सव रही है। आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में अमृत सरकार ने हर घर तिरंगा अभियान चला रही है, ताकि भारतवासियों के दिलों में देशभक्ति की भावना उजागर हो। इसके तहत सरकार ने देश के प्रत्येक नागरिक से अपी की गई थी कि 13 से 15 अगस्त 2022 के बी हर घर तिरंगा (हर घर में एक तिरंगा) तक मनाया जाए और प्रत्येक घर में ध्वजारोहण किया जाए। इसके लिए सरकार ने 20 करोड़ घरों का लक्ष्य तय किया है।

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रोत्साहित करना है। इससे न केवल नागरिकों को ध्वज से व्यक्तिगत रूप से जुड़ने में मदद मिलेगी बल्कि राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान भी बढ़ेगा। इस उत्सव के द्वारा स्वतंत्रता सेनानियों को भी सम्मानित किया गया।

हर घर तिरंगा अभियान भारत के नागरिकों के बीच देशभक्ति और राष्ट्रवाद को बढ़ाने में मद करेगा। यह एक राष्ट्र के रूप में हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाने का भी एक अच्छा तरीका है।

हवा से नहीं फौजीयों की साँसों से लहराता है, तिरंगा।

पवन हंस लिमिटेड (37वें स्थापना दिवस) समारोह की झलकिंया

पवन हंस लिमिटेड ने अपना 37वें स्थापना दिवस मनाया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर हमने सभी पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशकों, कार्यपालक निदेशकों और महाप्रबंधकों को आमत्रंण भेजा था और उन्होंने सहर्ष हमारा आमंत्रण स्वीकारते हुए इस आयोजन की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का शुभारम्भ द्वीप प्रज्जलन से किया गया और उसके बाद श्रीगणेश जी की वन्दना की गई। इसके बाद पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशकों का विधिवत स्वागत किया गया। हमारे वर्तमान अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा स्वागत भाषण में पिछले तीन वर्षों में पवन हंस द्वारा की गई प्रगति के बारे संक्षेप में बताया तथा भविष्य की योजनाओं से भी अवगत कराया। भुतपूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशकों और कार्यपालक निदेशकों ने भी अपने-अपने कार्यकाल के दौरान हुई प्रगति और साथ ही अपने अनुभवों का वर्णन किया, उन्होंने पवन हंस लिमिटेड की सफलता के लिए वर्तमान के तथा भुतपूर्व कार्मिकों की सराहना की और पवन हंस लिमिटेड की उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा शुभकामनाएं दी ।

श्री संजीव राजदान, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

पूर्व महाप्रबंधक

पवन हंस लिमिटेड

हम केवल तभी याद किये जायेंगे जब हम हमारी युवा पीढ़ी को एक समृद्ध और सुरक्षित भारत दें, जो आर्थिक समृद्धि और सभ्यता की विरासत का परिणाम होगा।

सुर्य नमस्कार

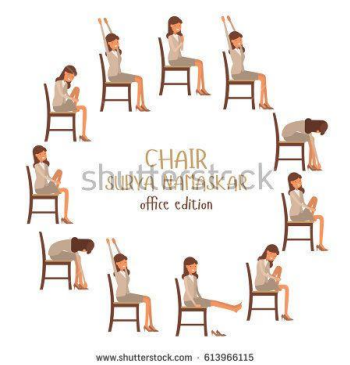

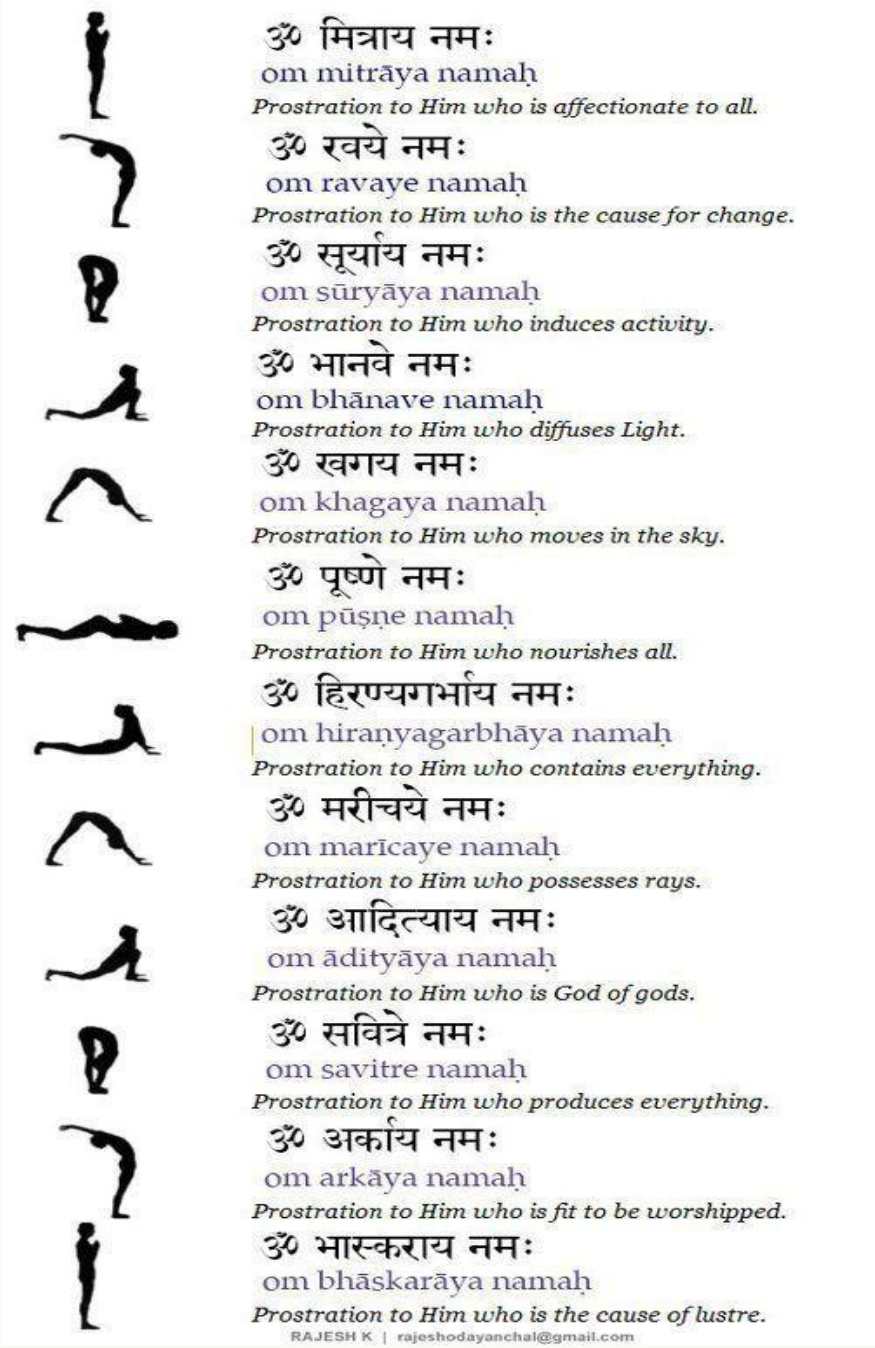

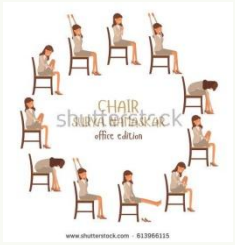

मेरे देश में हिंदी की इज्जत नहीं, मैं इसको सह नहीं सकता।

***** विनोबा भावे *****

भुलाए न भूलेगी मेरी पहली हवाई यात्रा

मेरे परिवार ने हवाई जहाज को बहुत बार आकाश में देखा था। पर आज तक कोई हवाई जहाज से यात्रा नहीं की थी। उसमे बठनै का का स्वप्न देखने की गलती उन्होंने कभी नहीं की होगी। इतना तो मुझे पुरा विश्वास है। वे लोग बगल से एक बार हवाई जहाज देख पाते तो खुद को भाग्यशाली मानत। हमारे गाँव में भाषण के लिए भीड़ इकट्टा करनी हो तो, बस नेताओं को हेलीकॉप्टर से पहूँचना होता था। और फिर जमा होती थी भारी भीड़। मैंने जब पहली बार हेलीकॉप्टर देखा तो दो घंटे तक हेलीकॉप्टर और उसके बड़े-बड़े पखं देखता रहा और दिमाग सोचता रहा उसका उड़ना। मेरे खानदान में सबने जहाज देखा था पर दूर से। सबके आर्शीवाद से मेरी नौकरी शहर मे लगी। अब तो मै बगल से हवाई जहाज देख सकता हूँ। यह मन चिड़िया है ना, बड़ा लोभी होता है। आमदनी बढ़ी तो मेरे मन का अपना सपना शुरू हो गया। अब मानव जन्म सार्थक करने का मौका है। कुछ घंटे के लिए पंछी का अवतार मिल सकता है। तो मैंने ठन लिया, हवाई जहाज की सफर करनी है। सस्ते दर्जा की हवाई यात्रा भी चलेगी। गूगल की बुटी दादाजी के दवाई के काम आती थी। हमने गुगल डाट काम का उपयोग किया इंटरनेट पर सस्ते हवाई जहाज टिकट खोजने में बहुत छानकर मिला एक। मै बहुत खुश हुआ। मुझे पता चला की हवाई जहाज में खूबसूरत हवाई सुंदरी होती है। अब क्या था मेरा मन हिलोरे मारने लगा। इस मुसीबत की दुनिया से काफी ऊपर, नील आकाश में परियों के साथ यात्रा।

शुरू हो गयी तैयारी। मैंने टिकट आरिक्षत करवाया इंटरनेट से। मगर विश्वास नहीं हुआ की बिना कतार में लगे खुद से छपवाया हुआ कागज टिकट कैसे हो सकता है। खुद को ऐसे मनाया कि मुझे ठग सकते, लेकिन सभी को थोड़े ही न ठगेगें। कुछ भी हो हम लोग समझदार यात्री हैं, हमने टिकट पर छपे नियम-कानुन ध्यान से पढ़े। देखा एक ही पेटी ले जाने को कहा है। उसकी लंबाई-चौड़ाई-ऊंचाई भार, 15 किलो सब निर्धारित है। और एक अलग से लैपटॉप जा सकता है। चल तब तो ठीक है। टिकिट करवाया था यात्रा के एक महीना पहले। घर पर तो पहले बता ही दिया की मै इस बार हवाई जहाज से आ रहा हूँ। रिश्तेदारो में यह बात फैल गयी। अब उनसे बात होती तो, हवाई जहाज का जिक्र जरूर करता। मै अब दिन गिनने लगा। सामान भर कर पेटी बहुत भारी लग रही थी - कही 15 किलो तो न हो गया। सुबह बनिया की दुकान गया। कहा - "भैया मेरा पेटी का वजन कर दो।" चावल - दाल की जगह पेटी, वह शायद यह सोच रहा होगा। पता है, वह भारी था सिर्फ 12 किलो।

उस दिन हवाई यात्रा शाम को थी। कार्यालय से भी जाया जा सकता था। यही तो व्यस्त जीवन है न। कार्यालय का काम भी कुछ ज्यादा नहीं था। दोपहर का खाना कायार्लय में उस दिन खाया भी न गया। बहुत सारे सहकर्मियों के लिए हवाई यात्रा, ऑटो रिक्शा जैसा था। पर मै पहली बार जा रहा था। मै एक बार खाली चढ़ तो लूँ, हवाई जहाज पर, औरों की तरह अपना भी जन्म सार्थक हो जाए। हवाई अडडे जाने के नाम पर ऑटोवाले ने भी ज्यादा दाम लगाया। उसने पचास रूपये ज्यादा लिये। खैर मैंने भी सोचा, हवाई जहाज से जाने वालो को इन ऑटो वाले से ज्यादा मोल भाव नहीं करना चाहिए। मैने भी मान गया, उसका भाव। ओ खशु होकर ले जा रहा था हवाई यात्री को। वैसे भी घर सात महीने के बाद जा रहा था, वो भी हवाई जहाज से। वहाँ घर पर सब महीने - दिन - अब घंटे गिन रहे थे। हवाई अड्डे पर पहुँचकर देखा तो सभी स्टैंडर्ड यात्री। ज्यादातर बढ़िया सूटकेस और पेटी लेकर चलने वाले। इधर हमारे रेलवे स्टेशन पर तो झोला वाले ज्यादा दिखते, वैसे सस्ते सूटकेस ही आजकल खबु दिखते हैं।

मन में हम ने भी सोचा कि अगली बार के लिए एक हवाई यात्रा लायक सूटकेस खरीदना होगा, आखिर हमारे सम्मान की बात है। खैर हमने भी अपनी पेटी के चेन की जाचँ पड़ताल कर लिया था। किस्सा था कि उस पेटी का चेन कभी-कभी फिसलता था।

हमारे एक मित्र हैं, जिन्होंने बता दिया था कि पूरी जाचँ पड़ताल होती है, आसन संख्या भी वही जाकर मिलेगी इसलिए दो घंटे पहले जाना चाहिए। हमने लिखा देखा, “चेक इन” और खड़ा हो गया, अपनी पेटी लेकर। मै पूरा दो घंटे पहले पहुँचा था इसिलए सबसे पहले मैं था कतार में पुरे बीस मिनट खड़ा रहा वही। पीछे मुड़कर देखा तो लंबी कतार लगी थी। चेक इन शुरू हो गयी। मेरे सामने एक पट्टी चलने लगी। एक कर्मचारी ने डाल दिया मेरा पेटी को उस पट्टी पे। चला गयी, बेचारी पेटी - बिना मालिक के, एक छोटी सी गुंफा मेरे पैर के मोच का एक्सरे करवाया था तो दो सौ रूपये लगे थे। अरे वाह, यहाँ सामान का एक्सरे फ्री। हमे बगल के दुसरे रास्ते से टिकट देखकर जाने दिया। सोचा कि मेरी पेटी मिल जाएगी अंदर जाकर। पर नहीं मिली पेटी, मैं वहाँ खड़ा रहा। मेरे पीछे खड़े कई महाशय अपना सूटकेस लेकर चले गये। उसके बाद दो और अपना सामान लेकर चले गये। मेरी पेटी देखी तो जाचँ करने वाला ने उठाकर रखी थी। उसने मेरे पेटी के अंदर के सामान के बारे मे पूछा, मैंने उसे अंदर कि दवाई के बारे मे बता दिया। वह संतुष्ट हो गया कि मैं उग्रवादी नहीं हूँ । खैर मुक्ति मिल गयी। उन लोगों ने उसे पुरा सुरक्षा स्टीकर से सील किया।

अब मेंरे पीछे आये सारे लोग हवाई अड्डे में सभी बड़े प्रेम से अपना सामान लेकर जा रहे थे, आसन संख्या लेने। अब एक बात तो पक्की थी कि मेरे पहले बहुत लोग अपना आसन संख्या ले चुके थे। लेकिन मेरी किस्मत तेज थी और मुझे खिड़की वाली आसन मिल गयी। हमारी लाटरी लग गयी। मन किया कि लाल परी का भ्रमण ध्वनि संख्या माँग लूँ, जिसने मुझे खिड़की वाली आसन दिलाई, पर स्वाभिमानी मै भी कम नही - नहीं लिया। उधर मेरी पेटी एक बंदे ने वही पर ले लिया, रह गया हाथ मे मेरा हैंडबैग। जिसमे था मेरा लैपटॉप, पानी कि बोतल, और मेरी किताब। अब जाना था प्रतीक्षालय (वेटिगं कारीडोर) में फिर जाचँ हुई मेरे हैंडबैग की, फिर उसका एक्सरे हुआ, बाकी लोगों के साथ। फिर हम एक बस में बैठ कर विमान तक गए। सीढ़ी से विमान में, और आसन पर बैठेने के बाद हमने आसन पट्टी बाधी। धीरे धीरे हवाई जहाज चलने लगा, अचानक गति पकड़ वह हवा में उड़ गया। मै उत्साहित हंसता रहा। फिर हवाई जहाज सीधा होने पर मैंने खिड़की से बादल का आनंद उठाया। जहाज का दृश्य रेल के बड़े उच्च श्रेणी के डिब्बे जैसा ही लग रहा था। यहाँ की आसने बड़ी आरामदेह थी। अब जहाज पूरी ऊंचाई पर आ गया था। मैं कांच की खिड़की से बाहर नीचे जमीन का दृश्य देख कर बड़ा रोमांचित हुआ। पूरे दो घंटे पंछी की तरह हवा मे उड़ रहा था। आज मेरा सपना पूरा हुआ था। धीरे धीरे जहाज नीचे उतरने लगा और हमें लंबी हवाई पट्टी दिखाई देने लगी। एक धड़ की आवाज के साथ हवाई जहाज के पहिये धरती पर आ लगे और जहाज हवाई पट्टी पर दौड़ने लगा और कुछ देर बाद रूक गया। हवाई जहाज सफर का पहला अनुभव बहुत ही रोमांचित करने वाले था। कुल मिलाकर इस पहला हवाई यात्रा का अनुभव मै कभी भूल नहीं पाऊँगा।

(संजय रामचदं कदम, अनुभाग अधिकारी, परिचालन विभाग पश्चिमी क्षेत्र, मुंबई)

पराजय और असफलता कभी कभी विजय के लिए भी आवश्यक होते है जिससे घबराना नहीं चाहिए।
*****लाला लाजपत राय जी*****

पवन हंस ने वीमेन इन एविएशन के सहयोग से गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मंडी, हिमाचल प्रदेश में शुक्रवार, 9 सितंबर 2022 को "गर्ल्स इन एविएशन डे 2022" मनाया।

भारत की सबसे कम उम्र की महिला मल्टी इंजन हेलीकॉप्टर कैप्टन और पीएचएल एंड वीमेन इन एविएशन-इंडिया चैप्टर (डब्ल्यूएआई) की टीम कैप्टन आशिमा मेंदीरत्ता ने विमानन में महिलाओं के महत्व पर जोर दिया और छात्राओं को उद्योग और इसके विभिन्न क्षेत्रों में नौकरियों के लिए प्रोत्साहित किया।

इस कार्यक्रम का फोकस आज के उभरते हुए परिवेश में महिलाओं को और इस यात्रा में शिक्षा, विशेष रूप से प्रौद्योगिकी की भूमिका को उजागर करना था। इसका उद्देश्य अगली पीढ़ी को विमानन क्षेत्र में शामिल होने और नौकरी चाहने वालों और नौकरी देने वालों के बीच की दूरी को पाटने के लिए प्रेरित करना है और आने वाले समय में भारत में विमानन क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका को 15% से बढ़ाकर 50% करने के लिए एक कार्यदक्ष महत्वाकांक्षा का पोषण करना है।

पवन हंस लिमिटेड विमानन से संबंधित विभिन्न कार्यक्षेत्रों में महिलाओं को आगे बढ़ाने और उनको सहयोग देने में उद्योग की अग्रणी कंपनी है। 4 हेलीकॉप्टर पायलटों, 3 विमान अनुरक्षण इंजीनियरों और 12 तकनीशियनों के साथ, पवन हंस भारतीय हेलीकॉप्टर उद्योग में महिला कर्मियों का सबसे बड़ा प्रतिशत समेटे हुए है।

<u>पवन हंस के बारे में</u>

पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल) नागर विमानन मंत्रालय के तहत सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है, 1985 से भारत में 43 हेलीकॉप्टरों के बेड़े के साथ हेलीकॉप्टर परिचालन में मार्किट लीडर है। यह तेल और गैस की खोज, पुलिस और अर्धसैनिक बल, बहु उपयोगी, वीआईपी और कॉर्पोरेट (राज्य सरकार, पीएसयू और यूटी) और यात्री परिवहन (उत्तर और पूर्वोत्तर भारत के दूर-दराज क्षेत्रों, पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्रों से संपर्क के लिए) और अंडमान निकोबार और लक्षद्वीप द्वीप समूह में इंटर आईलेंड संपर्क जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को सेवाएं प्रदान करता है।

पीएचएल फिक्स्ड बेस ऑपरेशंस (एफबीओ), मेंटेनेंस रिपेयर एंड ओवरहॉल (एमआरओ), ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट ऑफ एविएशन इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे अपने अन्य बिजनेस सेगमेंट के माध्यम से सामान्य विमानन क्षेत्र में भी सेवा प्रदान करता है। पीएचएल क्षेत्रीय संपर्क योजना उड़ान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और इसका परिचालन बढ़ाने के लिए महत्वाकांक्षी योजनाएं हैं।

वर्तमान में, पवन हंस उत्तराखंड में परिचालन सेवाएं प्रदान कर रहा है और चंडीगढ़ को बेस बनाकर हिमाचल प्रदेश के विभिन्न शहरों जैसे शिमला, मंडी, कुल्लू, धर्मशाला और रामपुर को आरसीएस उड़ान के तहत सेवाएं प्रदान कर रहा है।

भारत में प्रथम महिला

1	प्रथम महिला राष्ट्रपति	प्रतिभा देवी सिंह पाटील
2	प्रथम महिला प्रधानमंत्री	श्रीमती इंदिरा गांधी
3	सर्वोच्च न्यायालय की प्रथम महिला न्यायधीश	न्यायमूर्ति मीरा साहिब फातिमा बीबी
4	प्रथम महिला राज्यपाल(उत्तर प्रदेश)	सरोजिनी नायडू
5	प्रथम महिला मुख्यमंत्री(उत्तर प्रदेश)	सुचिता कृपलानी(1963-67)
6	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्रथम महिला अध्यक्ष	एनी बेसेंट(1917)
7	प्रथम महिला आईएएस अधिकारी	अन्ना राजम जॉर्ज(1950)
8	प्रथम महिला आईपीएस अधिकारी	किरण बेदी
9	प्रथम महिला राजदूत	श्रीमती विजयलक्ष्मी पंडित
10	प्रथम महिला लोकसभा अध्यक्ष	मीरा कुमारी
11	प्रथम महिला सांसद	राधाबाई सुब्बारायण
12	प्रथम महिला विदेश मंत्री	सुषमा स्वराज
13	प्रथम महिला मुख्य चुनाव आयुक्त	V.S. रमाबाई(1990)
14	राज्यसभा में नामांकित प्रथम अभिनेत्री	नरगिस दत्त(1980)
15	माउंट एवरेस्ट पर पहुंचने वाली प्रथम महिला	बछेंद्री पाल(1984)
16	विंबलडन खिताब जीतने वाली प्रथम महिला	सानिया मिर्जा(युगल)
17	ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली प्रथम महिला	कर्णम मल्लेश्वरी
18	ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली प्रथम महिला	पीवी सिंधु

रामपुर हेलीपोर्ट का नया टर्मिनल भवन

पवन हंस दिसंबर 2021 से आरसीएस उड़ान के तहत चंडीगढ़ - शिमला - रामपुर के लिए हवाई संपर्क प्रदान कर रहा है और उड़ानें सप्ताह में तीन बार चल रही है । ऐसे ही एक विकास में, पवन हंस टीम ने हिमाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री जय राम ठाकुर जी द्वारा रामपुर हेलीपोर्ट के नए टर्मिनल भवन के उद्घाटन समारोह में 30 अगस्त 2022 को भाग लिया । रामपुर में नवनिर्मित हेलीपोर्ट विकसित और उद्घाटन किए जा रहे पांच हेलीपोर्टों में से दूसरा है और इसे 3.40 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है एवं प्रशासनिक स्वीकृति, व्यय स्वीकृति एवं तकनीकी स्वीकृति रु. 7.38 करोड़ जिसमें विकास निर्माण लागत और सभी उपकरणों की खरीद और फायर टेंडर आदि शामिल हैं, जो पवन हंस द्वारा किए जा रहे हैं । रामपुर हेलीपोर्ट के विकास का काम वर्ष 2020 में शुरू किया गया था और अगस्त, 2022 में आरसीएस (क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना) UDAN-II के तहत रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया , जिसका कुल क्षेत्रफल 12,130 वर्ग मीटर है। यह हेलीपोर्ट आधुनिक सुविधाओं जैसे सीसीटीवी सुरक्षा स्थापना, वीआईपी लाउंज, पार्किंग, ओपीएस और फायर स्टेशन, सुरक्षा चौकी, यूजी टैंक, वॉच टावर, परिधि फेंसिंग रोशनी, रिसेप्शन काउंटर, हेलीपोर्ट प्रबंधक कार्यालय, टिकट काउंटर आदि से सुसज्जित है।

हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा MOCA और पवन हंस के सहयोग से ना खोजे गए क्षेत्रों में पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए इस पहाड़ी राज्य में यह एक प्रमुख पहल है। । पवन हंस टीम ने माननीय मुख्यमंत्री को बद्दी और मनाली को जोड़कर आरसीएस उड़ान के और विस्तार के बारे में जानकारी दी।

पवन हंस टीम के साथ हिमाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री जय राम ठाकुर जी द्वारा रामपुर हेलीपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन ।

Pawan Hans provides air connectivity from Chandigarh via Shimla to Rampur under RCS UDAN since December 2021 and flights were operating thrice a week. In one such development, the Pawan Hans team attended the inaugural ceremony of Rampur Heliport's New Terminal building by Hon'ble CM of Himachal Pradesh Shri Jai Ram Thakur ji. On 30th August, 2022. The newly constructed heliport at Rampur was the second among five heliports being developed and inaugurated and has been built with a cost of Rs. 3.40 crore and the administrative approval, expenditure sanction and technical sanction is for Rs. 7.38 crore which includes development construction cost and procurement of all equipment and fire tenders etc., which were being done by **Pawan Hans**. The work for the development of Rampur heliport was started in the year 2020 and was completed in August, 2022 in a record time under RCS (Regional Connectivity Scheme) UDAN-II sanctioned by Ministry of Civil Aviation, Government of India having total area of 12,130 square meters. This heliport is equipped with modern facilities like CCTV Security installation, VIP lounge, parking, OPS and Fire Station, security hut, UG tank, watch tower, perimeter fencing illumination, reception counter, heliport manager office, ticket counter etc.

This is the major initiative to attract tourists to the unexplored areas, by the Government of Himachal Pradesh in collaboration with MOCA and Pawan Hans The state Govt is determined to develop a network of 38 new heliports to improve air connectivity and to give boost to tourism in this Hilly state. Pawan Hans team briefed Hon'ble CM about further expansion of RCS UDAN by connecting Baddi and Manali.

कविता कोश साझा मंच

आजादी का दिन आया
लालकिले पर ध्वज फहराया
शोभा देख लालकिले कि आज,
हर चेहरे पर मुस्कान है छाई।

राष्ट्रगान से झुमा देश ,
जब तिरंगा किले पर लहराया,
तोपो की देकर सलामी
जन-गन का गान सबने गाया।
फूलों की वर्षा किले पर,
ढोल नगाड़ो के संब बरसाया,
वीर शहीदों की कुर्बानी,
आज़ादी का सुख बनकर बरसाया।
जाति धर्म का भेद न दिखता,
अखंड भारत का पाठ पढ़ाता,
हर युवा एक स्वर में कहता,
भरत माता की जय, भारत माता की जय।

मॉ

जब अकेला रहा तो उसकी याद आयी
अंधेरे में था तो उसकी याद आयी
जब भूख लगी तो उसकी याद आयी
नींद नहीं आई तो उसकी याद आयी
सोचने में कितनी आसान लगती थी ये जिंदगी
जब खुद से जीना सीखा तो उसकी याद आयी
तब लगा की मॉ इतनी मतलबी कैसे हो सकती है
हमसे भी ज्यादा हमारे लिए कैसे सो सकती है ।
लेकिन सच तो ये है कि वो मॉ ही होती है।
जो हमारा पेट भरकर खुद भूखी है।

भारती करन, एसोशिएट (आंतरिक लेखा परीक्षा)

हंसी मज़ाक वाले चुटकलें

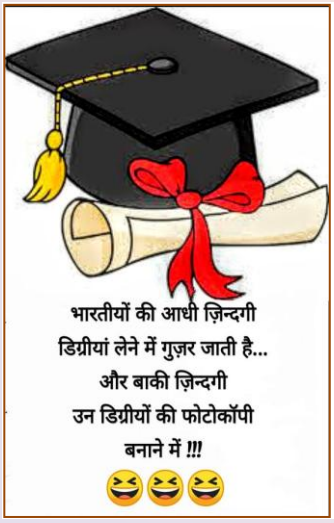

हिंदी जैसी सरल भाषा दूसरी नहीं है।

******मौलाना हसरत मोहानी******

उत्तराखण्ड शासन

पवन हंस लिमिटेड
Pawan Hans Limited

(A Miniratna - Government of India Enterprise)

RCS FLIGHTS UTTARAKHAND

Route	Departure (HH:MM)	Arrival (HH:MM)	Days of Operation	Total Amount (Inc Taxes)
Dehradun- New Tehri	09:40	10:05	Mon , Wed, Fri	Rs. 2903/-
New Tehri- Srinagar	10:35	11:00	Mon , Wed, Fri	Rs. 2903/-
Srinagar- Gauchar	11:30	11:50	Mon , Wed, Fri	Rs. 2903/-
Gauchar- Srinager	12:20	12:40	Mon , Wed, Fri	Rs. 2903/-
Srinager-New Tehri	13:10	13:35	Mon , Wed, Fri	Rs. 2903/-
New Tehri- Dehradun	14:05	14:30	Mon , Wed, Fri	Rs. 2903/-

Uttarakhand
Simply Heavan!

FOR BOOKING

Permissible Baggage Weight : 10 Kgs

https://booking.pawanhans.co.in